# अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2023) दिनांक : 23.12.2023

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

## भिक्षु दृष्टांत–30

प्र. 1 किन्हीं बारह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 12

(क) आचार्य भिक्षु के समय चातुर्मास के दौरान साधु गृहस्थ के घर भिक्षा लेने कितने दिन जा सकता था?

(ख) पाली में साध्वी ने बेला क्यों किया था?

(ग) जैचन्द जी श्रावक ने आचार्य भिक्षु को कौन से गांव का मार्ग जानने की बात कही?

(घ) मूल तत्त्व को समझाने के लिए स्वामीजी ने किस वस्तु का दृष्टांत दिया?

(ङ) आचार्य भिक्षु ने हेमजी स्वामी को क्या कंठस्थ करने को कहा और क्यों?

(च) आचार्य भिक्षु ने कौन-कौन सी चौपाईयों की रचना की?

(छ) अन्य सम्प्रदाय के साधुओं के अनुसार साधुओं को रात्रि के समय कौन सी वस्तुएं नहीं रखनी?

(ज) मुख पर वस्त्र आदि न लगाकर बोलना कौन सा प्रयोग है?

(झ) आचार्य भिक्षु ने खोटे सिक्के के समान किसे बताया?

(ञ) आचार्य भिक्षु ने स्वयं को कार्तिक का ज्योतिषी क्यों कहा?

(ट) 'आपका ऐसा संकरा मार्ग कितने वर्षो तक चलेगा?' आचार्य भिक्षु ने इस प्रश्न का क्या उत्तर दिया?

(ठ) 'क्या भीखण जी में साधुपन है?' यह प्रश्न किससे पूछा गया और उन्होंने क्या जवाब दिया?

(ड) हेमजी स्वामी व रतन जी भलगट के लिए जोड़ा गया सेवक का तुक्का लिखें।

(ढ) लोढ़ों के उपाश्रय में चर्चा की खबर आचार्य भिक्षु को किसने दी?

प्र. 2 कोई तीन घटना प्रसंग लिखें– 18

(क) दोनों में एक झूठ।

(ख) यहां से विहार कर देना नहीं तो......।

(ग) बड़ा कर्म है नाम का।

(घ) तीन मिच्छामि दुक्कडं में दूसरे तक लिखें।

(ङ) सब घरों में गोचरी क्यों नहीं जाते?

## भ्रमविध्वंसन–35

प्र. 3 कोई नौ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 9

(क) कौन से कपाट को हिंसाजन्य माना गया है?

(ख) मिश्र धर्म की स्थापना को किसकी उपज माना गया है?

(ग) कौन सा कार्य अपवाद मानते हुए भी अवश्य करणीय कार्य माना गया है?

(घ) नींद आना किस कर्म का उदय है?

(ङ) बासी भोजन का टीका में क्या अर्थ किया गया है?

(च) जैन साधना में 'आज्ञा' शब्द से क्या तात्पर्य है?

(छ) सुश्रूषा विनय से क्या तात्पर्य है?

(ज) औपपातिक सूत्र में साधुओं के गुणानुवाद में क्या कहा गया है?

(झ) 'जीओ और जीने दो' का नारा किसका प्रतीक है?

(ञ) नैमित्तिक दान किसे कहते हैं?

(ट) भगवती सूत्र में मोक्ष का देश-आराधक किसे कहा गया है?

प्र. 4 कोई दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए– 5

(क) श्रावकों को आगमिक वाचना देने का निषेध क्यों है?

(ख) भगवान महावीर के धर्मसंघ में कौन से शूद्र-चाण्डाल कहे जाने वाले सम्मिलित थे?

(ग) जैन तत्त्व मीमांसा में तीन करण का क्या महत्त्व है?

(घ) रक्षा के सम्बन्ध में चार महत्त्वपूर्ण बातें लिखें।

प्र. 5 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में लिखें– 6

(क) वैयावृत्त्य सेवा पर प्रकाश डालें।

(ख) सिद्ध करें कि भगवान महावीर के छद्मस्थ अवस्था में छः लेश्या थी।

प्र. 6 आचार्य भिक्षु के समय पुण्य तत्त्व सम्बन्धी जो विचार भेद रहे उन्हें स्पष्ट करते हुए बतायें पुण्य हेय है या उपादेय? 15

***अथवा***

आचार्य भिक्षु के अनुकम्पा सम्बन्धी तीन दृष्टान्तों का उल्लेख करते हुए लौकिक व लोकोत्तर हिंसा को सोदाहरण स्पष्ट करें।

## भिक्षु गीता–20

प्र. 7 कोई तीन प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 3

(क) कायोत्सर्ग के कितने और कौन से अंग हैं?

(ख) आचार्य भिक्षु ने कुछ साध्वियों को संघ से पृथक क्यों किया?

(ग) जैन शासन के कल्पवृक्ष का मूल और फल क्या हैं?

(घ) सुदर्शन शब्द से क्या तात्पर्य है?

(ङ) व्यवस्था के आधारभूत तत्त्व कौन से हैं?

प्र. 8 समिति और गुप्ति एवं स्पृहा और दुःख की साधना पर प्रकाश डालें। 5

***अथवा***

'नेतृत्व की अर्हता' तथा 'गणपति के लिए शिक्षा' को लिखें।

प्र. 9 कोई दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 12

(क) आत्मानुशासकः कश्चित् कश्चित् परानुशासकः।
द्वयानुशासको युक्तः गणसन्ततिवृद्धये।।

(ख) कदाचिद् गोरवं कामं कदाचिद् विक्षिपंद् मतिः।
कदाचिद् भयमौत्सुक्यं सहेतुकमहेतुकम्।।

(ग) उपायद्वयमत्रेदमास्थाऽनुशासनं तथा।
अनेन संभवत् तेषां संग्रहो वीतविग्रहः।।

(घ) आचारे सूत्र-सिद्धान्ते संशयः समुदस्थितः।
उत्पन्नं चिन्तनं नव्यं प्रष्टव्योऽस्ति बहुश्रुतः।।

## भिक्षु वाणी–15

प्र. 10 कोई पांच पद्य लिखें– 15

(क) उणने छोटा............................................दिन जाय।।

(ख) ते पाप............................................नहीं दोस।।

(ग) दान

(घ) ज्यां लग पुन्न............................................होय जाय।।

(ङ) खोटो नांणो............................................किम जाय।।

(च) केइ विनीत............................................पड़े अविनीत।।

(छ) सत्य कथन

(ज) सूइ नाकें............................................न वेसें।।